

प्रकरण सं. 287/2022

उपनाम

जोषी | भरेल

संख्या व तारीख
अहंकार जो इस
हकम की तामील
में जारी हुए

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

दिनांक

16-12-24 दशावली पैरा 33 है। प्राथी व अर्था प्राथी अधि
उपरिष्ठत मली। अर्थाथी सं० 1 व 2 के अधिष्ठत
अधिष्ठत। प्राथी एवं प्राथी अधिष्ठत हो
तीन बार आवाज लगायी गयी। इससे उपरान्त
भी अधिष्ठत मली है। अतः उपरान्त प्राथी
की अधिष्ठत लाभरी एवं प्राथी अधिष्ठत ला
की अधिष्ठत पैरा में रकारित किया जाता है।
उपरान्त फैसला सुभार होकर सम्करसे
कम है।


अधिकांश अधिकारी
जवाड़ा